Hindi History Form - HOLISTIC CHILD CARE

बच्चों के होलिस्टिक उपचार के लिए आवश्यक वैद्यकिय , शैक्षणिक जानकारी

भुमिका :

१) आपके बच्चों के लिए होलिस्टिक उपचार के लिए हमे कुछ बाते समझने की अत्यंत आवश्यकता होती है. जैसे पारिवारीक वातावरण, बच्चे का व्यवहार, बच्चे की मानसिक स्थिति । उसका लोगों से संबंध बनाने का तरिका । उसके शैक्षणिक नतीजे । इसके लिए हमने एक प्रश्नावली तैयार की है । आपके द्वारा दि हुई जानकारी के आधार पर ही आपसे पूछ–ताछ की रुपरेखा निर्धारीत की जायेगी । इसलिये आपसे पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की जाती है । आप विश्वास रखें कि, आपके द्वारा दि गयी जानकारी हम अपने तक ही सिमित रखेंगे ।

२) इसके अलावा हमें सही होमिओपॅथिक दवाइ मालूम करने के लिए हमें बहुत जानकारी की आवश्यकता होती है । जैसे
१) शिकायतें : अ) प्रमुख एवं, ब) गौण / (कम तकलीफ देह बिमारी)
२) बालक का निजी व्यक्तित्व

३) पूरी जानकारी की आवश्यकता होती है । इस जानकारी को हम एक विशेष तरीके से लिख लेते है । क्यूंकी पूछ–ताछ में अधिक समय लग सकता है । इसिलिये प्रारंभिक जाँच एक डॉक्टर करता है, जो इस तरह की कार्यो की विशेष जानकारी रखता है । जब आपके द्वारा दि गयी जानकारी का केस रेकॉर्ड तैयार हो जाता है तब हम इसका परिक्षण करते है । अगर दवाई देने के लिए और जानकारी की आवश्यकता महसूस होगी तो आपको किसी और दिन मिलने का समय दे दिया जायेगा । जिससे बच्चे के उपचार की उचित रुपरेखा तैयार की जा सके ।

४) हमें विश्वास है कि, आप हमें पूरा सहयोग देंगे जिससे बच्चे का योग्य उपचार किया जा सके ।

प्राथमिक जानकारी :

कृपया बच्चे के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें ।

पूरा नाम, पता एवं टेलिफोन नं., जन्म तारीख, लिंग, धर्म / जाति / संप्रदाय, स्कूल, कक्षा, शाकाहारी / मांसाहारी / अण्डे, खानपान, की आदते तथा अन्य, चाय–कॉफी / दूध / चॉकलेट इत्यादि वर्तमान घरेलू जिंदगी का विवरण – घरके हर व्यक्ति के बारे में जानकारी दीजिये जैसे उम्र, उनका स्थान, क्या काम करते हैं और बालक के उनके साथ संबंध । कृपया अपनी सूची में स्वर्गवासी सदस्यों के नाम भी लिखें । मृत्यू के समय उनकी उम्र, साल व मृत्यू का कारण तथा बच्चे का उनसे लगाव की जानकार दें ।

सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक बच्चे की दैनिक गतिविधियाँ की पूरी जानकारी दें । बालक के आहार के बारे में लिखे, मसलन क्या–क्या, किस समय और किस मात्रा में लेता है । पढाई में और खेलने में कितना समय व्यतीत करता है ।

प्रमुख शिकायत :

जिन बच्चों को मानसिक और शैक्षणिक तकलीफ है ।

आपकी जानकारीसे बच्चों को क्या मानसिक, शैक्षणिक और शारिरीक बिमारी है इसके बारे में विस्तृत जानकारी दिजीयें । निम्नलिखित जानकारी के बारे में सविस्तार से लिखियें । हर तकलिफ के बारे में दें विस्तृत जानकारी दें ।

१) तकलीफ कब से शुरु हुई, कैसे शुरु हुई, तकलिफ शुरु होने के समय या उससे कुछ समय पहले घटना घडी हो तो लिखियें।

२) तकलीफ कितनी बार होती है, कितने समय तक होती है । तकलीफ क्यों होती हैं इसके बारे में विस्तार से लिखें ।

३) उसके लिए कोई उपचार किये हो तो उसके बारे में लिखियें ।

अन्य शिकायतें :

तकलीफ के बारे में शुरुसे विस्तार से लिखें । तकलीफ कब से शुरु हुई, कैसे शुरु हुई, किस तरह बढी एवं फैली । उसके लिए किये गये उपचार और उस उपचार के परिणाम के बारें में लिखे ।

१) तकलीफ का क्षेत्र : स्थान विशेष जहाँ तकलीफ है, वहाँ से लेकर कहाँ तक तकलीफ है, किस दिशा में उसका फैलाव है तथा शुरुसे लेकर आज तक तकलीफ के बारे में पूरी जानकारी दें ।

२) तकलीफ के क्षेत्र में महसूस होनेवाली संवेदना का वर्णन किजियें ।

३) तकलीफ शुरु होने का समय या उससे कुछ पहले की परिस्थितियों का अवलोकन किजियें । उस दौरान बच्चे की शारिरीक एवं मानसिक (भावनात्मक पहलू) स्थितियाँ पर भी प्रकाश डालियें ।

५) अन्य तकलीफ जो प्रमुख तकलीफों के साथ उसी समय होती है, जैसे पसिना, मतली, उल्टी, वायु आदी का दर्द के साथ होना ।

व्यक्तिगत जानकारी :

जन्म की जानकारी :

१) बच्चे की माँ के बारे में

अ) माँ की गर्भावस्था में प्रकृती १) गर्भवस्था में कोई शारिरीक समस्या २) गर्भवस्था में माँ की मानसिक अवस्था तथा पारीवारीक परीस्थिती.

ब) बच्चे के पहेले कोई बच्चा गिरना / गिराना (गर्भपात)

क) गर्भवती होने के लिए कोई दवाई ली हो तो

ग) गर्भवस्था के कितने दिन पुरे / कम / ज्यादा

घ) प्रसुति : नॉर्मल / सिझर / फोरसेप (कैची लगाकर) / ज्यादा समय लगना / या अन्य कोई तकलीफ

२) बच्चे के बारे में जानकारी :

१) जन्म समय वजन : बराबर / कम / ज्यादा

२) नवजात अवस्था में हुई कोई तकलीफ (आसमप्राच का कार्ड जोडियें)

३) जन्मजात व्यंग

४) शारिरीक व्यंग

५) बच्चे की उम्र बताईयें जब निम्नलिखित बाते शुरुवात की : बैठना, दात आना, बोलना, खडे रहेना, चलना, संडास और पेशाब पर नियंत्रण ।

निम्नलिखित जानकारी पूरी तरह दिजीये ।

१) बच्चे की शारिरीक बनावट का विवरण (वजन, उचाई इत्यादि) दिजिये ।

२) अ) उसकी भावनात्मक प्रकृति जैसे गुस्सा, भय, लगाव, शर्माना इत्यादि । उसके व्यवहार / स्वभाव में हाल ही में आये परिवर्तन के बारे में भी लिखें ।

ब) बौद्धिक उपलब्धियाँ जैसे स्कुल में पढाई में उत्साह, प्रगति एवं इसके अलावा उसके शौक आदी का वर्णन करें ।

क) उसका परिवार के सदस्यों, मित्रों, स्कूल / ट्युशन के अध्यापकों के साथ संबंधो का सही चित्रण करें । इसमें बच्चे द्वारा महसूस की जानेवाली कठिनाईयाँ और उनका उसके उपर प्रभाव का वर्णन करें । परिवार में आर्थिक परेशानियाँ और आपसी रिश्तों में तनाव हो तो उनकी जानकारी भी दें ।

३) अन्य प्रतिक्रियाओमे निम्नलिखित चीजों के बारे में बालक की क्या आदतें है । कौनसी परिस्थितीयाँ का उस पर असर होता है।

अ) भोजन : जो अच्छा लगता है (अन्न, पेय) वह भोजन जिससे उसे तकलीफ होती है । मिट्टी या चॉक खाने की आदतों के बारे में भी लिखे ।

ब) साधारणतः प्रकृति–मौसम, तापमान, स्नान (गर्म, ठंडा), कपडे एवं ओढने की चादर ।

क) नींद एवं स्वप्न ।(घंटे तथा विशिष्ट स्थिती)

स्कुल की जानकारी (जिन बच्चों को मानसिक और शैक्षणिक तकलीप है ।)

१) स्कूल का नाम और पता

२) कक्षा

३) स्कूल का समय

४) पढाई का माध्यम

५) स्कूल जानेलगा तभीकी उम्र

६) इसके पहले के स्कूल का नाम और स्कूल बदलने के कारण बताईयें ।

७) पढाई का माध्यम बदला है क्या ?

८) पहले स्कूल का अनुभव

९) स्कूल में नियमित रुप से जाना

१०) स्कूल में घुलना मिलना : टिचर के साथ, अन्य बच्चौ के साथ

११) पढाई मे उत्साह

१२) शैक्षणिक सफलता

१३) शैक्षणिक सफलता में कुछ बदलाव आया है क्या ?

१४) शैक्षणिक जीवनमें असफलता, कब, कौनसी कक्षा में कितने समय जानकारी दिजियें ।

१५) कोई खास चिज/बात जिससे पढने में तकलीफ

१६) स्कूल के कार्यक्रमों मे भाग लेना

१७) स्कूल के अन्य कार्यक्रमों मे भाग लेना

१८) स्कूल के शैक्षणिक / प्रत्य कार्यक्रमों मे कोई पारितोषीक मिला है ।

१९) आपके बच्चे को घरसे पढाई मे मार्गदर्शन मिलता है क्या ?

२०) उसके संबंध उसके साथ कैसे है जो उसे पढाई मे मदत करता है? कृपया पहले स्कूल की और वैद्यकिय जानकारी की झेरॉक्स कापी लगाईयें ।

भूतकालिन बिमारियाँ :

बच्चे की पिछली बिमारीयो के बारे में क्रमानुसार लिखियें और आपकी राय में उनका बच्चे की वर्तमान तकलीफों से संबंध बताईये ।

पारिवारीक जानकारी :

बच्चे के माता, पिता, भाई–बहनों, दादा–दादी और नाना–नानी या अन्य खुन के रिश्तोदारों के स्वास्थ्य के विषय में संक्षेप से बतलाइयें ।

अन्य जानकारी :

यहाँ आप उन चीजों के बारे में बतलाईयें जो आप उपर नही लिख पाते है ।

डॉ. बरवालिया व्हायब्रन्ट होमिओपॅथीक उपचार केंद्र

डॉ. प्रफुल्ल बरवालिया — D.H.M.S. (Gold Medalist), M D. (Hom) Reg. No.: 9730

होमिओपॅथीक सलाह

डॉ. (श्रीमती) अलका प्र. बरवालिया — D.H.M.S. M D. (Hom), Reg. No.: 10947

घाटकोपर क्लिनिक : १, शालिबद्र सोसायटी, २४८ हिंगवाला लेन एक्सटेंशन, पॉप्यूलर हॉटेल के पास, घाटकोपर (पूर्व), मुम्बई - ४०० ०७७. ● टेली : (०२२) २५०१ ३९८५ / २५०१ ०५५१

साऊथ मुम्बई क्लिनिक : ४६१, चिराबाजार, केरावाला हाऊस, डॉ. वेगास स्ट्रिट कॉर्नर, म्हाम्ब्रे स्टोअर के सामने, मुम्बई - ४०० ००२. ● टेली : २२०१ ९७८२

नायडू कॉलनी क्लिनिक : ७१/२, बिल्डिंग क्र. १६१ के सामने, नायडू कॉलनी, जैन मंदिर के पास, पंत नगर, घाटकोपर (पू.), मुम्बई - ७५. ● टेली : २५०८४४६७ / २५०८०९६१

ई–मेल : drpraful@gmail.com • वेबसाईट : holisticfoundation.org